M.A. Semester-II Examination 2015
Hindi
Paper - V

Time : Three Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin.

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए — 2×8=16

(क) 'श्रेय नहीं कुछ मेरा
मैं तो डूब गया था स्वयं शून्य में–
वीणा के माध्यम से अपने को मैंने
सबकुछ का सौंप दिया था
सुना आपने जो वह मेरा नहीं
न वीणा का था
वह की सबकुछ की तथता थी
महाशून्य, महामौन
अविभाज्य, अनाप्त, अद्रवित, अप्रमेय
जो शब्दहीन
सबमें गाता है।"

(ख) किंतु गहरी बावड़ी
की भीतरी दीवार पर
तिरछी गिरी रवि-रश्मि
के उड़ते हुए परमाणु, जब
तल तक पहुँचते हैं कभी
तब ब्रह्मराक्षस समझता है, सूर्य ने
झुककर नमस्ते कर दिया
पथ भूलकर जब चांदनी
की किरन टकराए
कहीं दीवार पर
तब ब्रह्मराक्षस समझता है
वंदना की चाँदनी ने
ज्ञान गुरु माना उसे।

(ग) काम धर्म, काम ही पाप है, काम किसी मानव को
उच्चलोक से गिरा हीन पशु-जन्तु बना देता है।
और किसी मन में असीम सुषमा की तृषा जगा कर
पहुँचा देता उसे किरण सेवति अति उच्च शिखर पर।

P.P.O.

(घ) काल,

तुझसे होड़ है मेरी, अपराजित तू–
तुझमें अपराजित मैं वास करूँ।
इसीलिए तेरे हृदय में समा रहा हूँ
सीधा तीर-सा, जो रूका हुआ लगता हो–
कि जैसा ध्रुव नक्षत्र भी न लगे
एक एकनिष्ठ स्थिर, कालोपरि
सुख, आनंदोपरि
सात्य, सत्यासत्योपरि
मैं तेरे भी, ओ 'काल' ऊपर !
सौंदर्य यही तो है, जोतू नहीं है, ओ काल!

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए – 2×12=24

(क) प्रयोगवादी कवि के रूप में अज्ञेय का मूल्यांकन कीजिए।

(ख) पठित कविताओं के आधार पर मुक्तिबोध की बिंब योजना पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'ऊर्वशी' में निहित कामाध्यात्म की अपधारणा को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(घ) शमशेर की काव्यकला की विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए।